दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच की सीधी आवाज

वर्ष : 1 | अंक : 7 | पंचकूला। बुधवार, 11 फरवरी 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

दूसरों के लिए वही करो जो तुम चाहते हो। यही सच्चा मानवतावादी है।

एक नजर

संजय टंडन ने कैंसर जागरूकता माह अभियान का किया शुभारंभ

चंडीगढ़, 10 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य संजय टंडन ने मंगलवार को चंडीगढ़ हेल्थकेयर एंड एकेडमिक्स फाउंडेशन द्वारा अपोलो विलनिक और सिटी हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित कैंसर जागरूकता माह अभियान का शुभारंभ किया। संजय टंडन ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए समय पर जागरूकता और निवारक स्वास्थ्य उपाय अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान लोगों को नियमित जांच, प्रारंभिक पहचान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति प्रेरित करते हैं। फ्जागरूकता और समय पर कदम जीवन बचा सकते हैं। कार्यक्रम में चिकित्सकों, समाजसेवियों, वरिष्ठ नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपस्थित विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग कैंप के माध्यम से कैंसर का प्रारंभिक स्तर पर पता लगाकर उपचार की सफलता दर को बढ़ाया जा सकता है।

तांत्रिक/मौलवी बनकर साइबर फ्रॉड करने का आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 10 फरवरी। साइबर क्राइम पुलिस को फिर उस वक्त एक बड़ी कामयाबी मिली जब पुलिस ने तांत्रिक/मौलवी बनकर साइबर फॉड करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शातिर आरोपी ने अलग अलग पीड़ितों से 40 लाख और सीने के गहने ठगे थे।पकड़े गए आरोपी की पहचान झुंझुनू राजस्थान के रहने वाले 25 वर्षीय रोहित भार्गव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि थाना साइबर क्राइम पुलिस को गुप्त सूचना और टेक्निकल तकनीक के जरिए पता चला था कि तांत्रिक/मौलवी बनकर साइबर फॉड करने वाला शातिर आरोपी झुंझुनू राजस्थान में सक्रिय है। इसके बाद थाना साइबर डीएसपी ए वेंकटेश की सुपरवीजन में थाना साइबर इंचार्ज इंस्पेक्टर इरम रिजवी की टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

मेयर पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार हो सकते हैं अरुण ग्रोवर

विभिन्न सामाजिक संगठन अरुण ग्रोवर के पक्ष में

संजीत कुमार सिंह, पंचकूला आजर्वर

पंचकूला। नगर निगम के आगामी मेयर चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज़ होती जा रही हैं। इस बीच शहर के जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट और अमरटैक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण ग्रोवर को मेयर पद के लिए एक मजबूत और उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी उनके नाम पर सहमति जताते हुए खुलकर समर्थन देना शुरू कर दिया है। पिछले कई वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय अरुण ग्रोवर पंचकूला ही नहीं, बल्कि पूरे हरियाणा में एक साफ-सुथरी और नेक छवि के लिए पहचाने जाते हैं। मिलनसार स्वभाव और सरल व्यक्तित्व के कारण वे हर वर्ग में लोकप्रिय हैं। जरूरतमंद, दबे-कुचले और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद के लिए वे हमेशा आगे रहते हैं, जिसके चलते समाज के विभिन्न वर्गों में उनकी गहरी पैठ बनी हुई है।

अरुण ग्रोवर विभिन्न सामाजिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हुए कई मंचों पर जनता की समस्याएं प्रभावी ढंग से उठा चुके हैं और उन्हें समाधान तक पहुंचाने में भी सफल रहे हैं। उनका प्रशासनिक अनुभव और सामाजिक सरोकार उन्हें अन्य संभावित उम्मीदवारों से अलग बनाता है। भारतीय जनता पार्टी में भी अरुण ग्रोवर का अच्छा तालमेल और मजबूत पकड़ मानी जाती है। पार्टी संगठन से बेहतर समन्वय और साफ छवि के चलते उन्हें मेयर पद का उम्मीदवार बनाए जाने की संभावनाएं प्रबल मानी जा रही हैं। सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि अरुण ग्रोवर को अवसर मिलता है, तो पंचकूला के विकास को नई दिशा मिल सकती है।

कैप्टन विक्रम स्मारक निर्माण प्रस्ताव पर सेना के पश्चिमी कमान ने दिया सकारात्मक आश्वासन

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़। वर्ल्ड हिमाचली ऑर्गनाइज़ेशन (पंजीकृत) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज पश्चिमी कमान के मेजर जनरल से मुलाकात की और परमवीर चक्र सम्मानित शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की स्मृति में चंडीगढ़ में एक भव्य स्मारक निर्माण के समर्थन में ज्ञापन सौंपा। बैठक में संस्था की चेयरपर्सन श्रीमती आशा जसवाल, अध्यक्ष अमित राणा, विशिष्ट उपाध्यक्ष सुरेश राणा, उपाध्यक्ष राकेश शर्मा, महामंत्री सनी राजपूत, महामंत्री श्रीमती मिनाक्षी ठाकुर तथा सचिव राजपाल डोगर उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने अपने ज्ञापन में कारगिल युद्ध के महानायक कैप्टन विक्रम बत्रा के सर्वोच्च बलिदान और अदम्य साहस को याद करते हुए चंडीगढ़ में एक प्रतिष्ठित स्मारक के निर्माण की अपील की। संस्था का मानना है कि यह स्मारक न केवल शहीद की अमर गाथा को चिरस्थायी रूप देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा का स्रोत भी बनेगा।

मेजर जनरल ने प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तृत चर्चा की और प्रस्ताव को गंभीरता से लिया। उन्होंने कैप्टन विक्रम बत्रा के अतुलनीय योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे वीर शहीदों की स्मृति को संजोना राष्ट्र का दायित्व है।

मेजर जनरल ने आश्वासन दिया कि इस प्रस्ताव पर उचित कार्यवाही की जाएगी और इसे संबंधित उच्च अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने वर्ल्ड हिमाचली ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा उठाए गए इस सराहनीय कदम की प्रशंसा की।

बैठक के दौरान सैनिकों के कल्याण, पूर्व सैनिकों के पुनर्वास, तथा हिमाचली समाज की विभिन्न सामाजिक गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

विश्वास फाउंडेशन ने 100 टीबी से ग्रस्त मरीजों के लिए प्रोटीनयुक्त पोषक डाइट दी

पंचकूला। स्टेट टीबी ऑफिसर राजेश राजू व सीएमओ मुक्ता कुमार की अध्यक्षता में विश्वास फाउंडेशन द्वारा गुरुदेव श्री विश्वास जी के आशीर्वाद से 100 टीबी से ग्रस्त मरी?ों के लिए प्रोटीन युक्त पोषण डाइट दी गई। डिटीओ संदीप छाब?ा द्वारा सभी सदस्यों का आभार जताते हुए टीबी मुक्त अभियान के लिए एक सराहनीय कदम बताया।

विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि यह पोषण डाइट पीएचसी ओल्ड पंचकूला में डॉक्टर रिशु की मौजूदगी में 10 पैकेट, एमडीसी 4 डॉक्टर मेघा मित्तल की मौजूदगी में 10 पैकेट, एएएम सकेत?ी सीएचओ कोमल की मौजूदगी में 14 पोषण किट, जीडी 7

डॉक्टर रीटा की मौजूदगी में 3 पैकेट, जीडी 8 डॉक्टर परिम्बा की मौजूदगी में 4 पैकेट, जीडी 11 डॉक्टर सोनिया शर्मा की मौजूदगी में 11 पैकेट, जीडी 12ए डॉक्टर सरोज भुक्कल की मौजूदगी में 16 पैकेट, डॉक्टर पारुल नरवाल की मौजूदगी 20 पैकेट यूडी 19 में, एमएमओ डॉक्टर रितु कौ?ा की मौजूदगी में जीपीसी 26 में 10 पैकेट व एएएम ना?ा की डिस्पेंसरी में एएनएम सुदेश कुमारी की मौजूदगी में 4 पैकेट मरीजों के लिए दिए गए। इस अवसर पर विश्वास फाउंडेशन से सत्य भूषण खुराना, मदन नागपाल व टीबी विभाग से सीनियर ट्रीट्मन्ट सूपर्वाइ?र सतीश वत्स मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि इस पैक्ड किट में मरीजों के लिए 1 किलो सोया दाल, 1 किलो सोया आटा, 500 ग्राम सोयाबीन ब?ी, 500 ग्राम भूना चना, 500 ग्राम गु? व 1 डिब्बा प्रोटीन पाउडर होता है। संस्था द्वारा जून 2022 से मरीजों को डाइट देनी शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया आगे भी इसी तरह जारी रहेगी। संस्था ने टीबी के मरीजों को अतिरिक्त पोषण, सोशल, मोरल सपोर्ट व टीबी मुक्त भारत के लिए कम्युनिटी सपोर्ट देने का काम किया है।

गोल्फ लीग : अंक तालिका में मुकाबला बेहद कड़ा

पंचकूला। गोल्फ लीग सीज़न-2 के डे-7 के बाद ग्रुप-ए की अंक तालिका में मुकाबला बेहद कड़ा बना हुआ है। चार-चार राउंड के बाद क्लब्स ऑन फ्लेम्स 1,395 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर कायम है। एडीएस फाल्कन्स 1,379 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि ग्रीन वॉरियर्स 1,369 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। शीर्ष टीमों के बीच अंकों का अंतर बेहद कम है। हाइलैंड किंग्स (1,367 अंक) और शिवालिक स्विंगर्स (1,365 अंक) भी शीर्ष स्थान की दौड़ में पूरी तरह बने हुए हैं। अंक तालिका के मध्य में टी टाइटंस ने 1,357 अंक जुटाए, जबकि जीबी लीजेंड्स चार मैचों के बाद 1,334 अंकों पर हैं। स्ट्रीकिन गोल्फर्स 1,304 अंकों के साथ ग्रुप-ए में अंतिम स्थान पर रहे। सभी टीमों द्वारा चार-चार मुकाबले खेले जा चुके हैं और अंक तालिका में अंतर बेहद मामूली है। ऐसे में आने वाले मुकाबले क्वालिफिकेशन की दौड़ को और भी दिलचस्प व निर्णायक बनाने वाले हैं।

स्नैचिंग व चाकू मारने के केस में नाबालिग बरी

चंडीगढ़, 10 फरवरी। शहर के सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में हुई स्नैचिंग और चाकूबाजी की वारदात से जुड़े मामले में जिला अदालत ने एक नाबालिग साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अश्वनी कुमार की अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष नाबालिग की पहचान और उसकी भूमिका संदेह से परे साबित नहीं कर सका। ऐसे में नाबालिक को संदेह का लाभ देते हुए सभी आरोपों से मुक्त किया जाता है। मामला 11 मई 2023 को दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता हंसराज ने पुलिस को बताया था कि वह 10 मई की रात हिमाचल प्रदेश के नूरपुर से बस में चंडीगढ़ पहुंचा था। रात करीब 1 बजे सेक्टर-43 बस स्टैंड पर उतरकर वह पैदल अपने घर सेक्टर-46 की ओर जा रहा था। शिकायत के अनुसार सेक्टर-50 और 45 की डिवाइडिंग रोड के पास एक युवक ने समय पूछा। जैसे ही उसने मोबाइल निकाला, युवक ने फोन छीन लिया। आरोप है कि उसी दौरान दो अन्य युवक और एक लड़की भी वहां आ गए। सभी ने मिलकर उससे करीब तीन हजार रुपये नकद, मोबाइल, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज छीन लिए।

समझौता होने के बाद भी डॉक्टरों और सीनियर कांस्टेंट में विवाद जारी, सीएम नायब सैनी को भेजी शिकायत

पंचकूला। सेक्टर 6 स्थित सिविल अस्पताल में दो डॉक्टरों और दो सीनियर कंसल्टेंट का मामला समझौते के लिए बुलाई गई बैठक में भी सुलझ नहीं सका, बल्कि विवाद से स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। भारतीय जनता पार्टी के नेशनल काउंसिल मेंबर ने हरियाणा के मुख्यमंत्री को सिविल हॉस्पिटल, पंचकूला में एक सीनियर महिला डॉक्टर और लैब स्टाफ के साथ कथित बदसलूकी के बारे में एक लिखित शिकायत दी है।

जिसमें बताया गया कि एक सीनियर कंसल्टेंट, पुरुष और महिला लैब स्टाफ के साथ, कथित तौर पर 2 डॉक्टरों के गलत व्यवहार का सामना किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक डॉक्टर ने एडमिनिस्ट्रेटिव निर्देशों के मुताबिक अंदरूनी झगड़े को आपसी सहमति से सुलझाने के लिए एक मीटिंग बुलाई थी। हालांकि, आरोप है कि मीटिंग के बाद भी, डॉक्टर और लैब स्टाफ के साथ गलत व्यवहार और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल जारी रहा। रिप्रेजेंटेशन में दावा किया गया है कि मीडिएटर के तौर पर उनकी भूमिका पर आपत्ति जताई गई, और कथित तौर पर आपत्तिजनक बातें कही गईं। जिसके बाद डॉक्टर बहुत ज्यादा मानसिक तनाव में थीं और साफ तौर पर परेशान थीं। इसके बावजूद, यह दावा किया गया है कि दबाव और बेइज़्ज़ती वाला बर्ताव जारी रहा, जिससे न सिर्फ़ एक सीनियर महिला डॉक्टर के तौर पर उनकी इज्जत पर असर पड़ा, बल्कि लैब स्टाफ में भी असुरक्षा की भावना पैदा हुई। शिकायत देने वाले प्रेम गुगनानी ने कहा कि रिप्रेजेंटेशन में यह भी चिंता जताई गई कि जिन डॉक्टरों पर आरोप लगाए गए थे, वे इमरजेंसी सर्विस से जुड़े थे।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों के दुष्प्रचार पर भरोसा न करने की अपील की

अफवाहों से बचें, मिलेगा कैशलेस इलाज : मान

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 10 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाबवासियों से अपील की कि राज्य सरकार द्वारा हर परिवार के लिए शुरू की गई 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के बारे में पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार से गुमराह न हों। एक वीडियो संदेश के माध्यम से लोगों को संबोधित करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने लोक भलाई वाली इस प्रमुख योजना की शुरुआत की है ताकि पंजाब के हर नागरिक, खास तौर पर समाज के कमजोर वर्गों को कैशलेस इलाज तक सीधी पहुंच मिल सके।

इस पहल के बारे में बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, लोगों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली योजना है। इसके तहत पंजाब का हर परिवार 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज करवा सकता है।

इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब व्यापक स्तर पर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। यह योजना लोगों पर वित्तीय बोझ को काफी कम करेगी और साथ ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को सुनिश्चित करेगी।

अफवाहें फैलाकर जनहित को नुकसान पहुंचा रहे कुछ लोग

लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी ताकतों से सावधान रहना चाहिए जो बेबुनियाद अफवाहें फैलाकर जनहित को नुकसान पहुंचाने पर तुली हुई हैं। उन्होंने कहा कि मैं समूह पंजाबियों से अपील करता हूं कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। योजना के तहत इलाज सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने ठोस व्यवस्था बनाई है जिसके तहत अस्पताल में दाखिले से लेकर जांच या टेस्ट, इलाज और अस्पताल से छुट्टी तक की पूरी इलाज प्रक्रिया कैशलेस रहेगी। उल्लंघन के संबंध में स्पष्ट चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई अस्पताल इस योजना के तहत किसी मरीज से पैसे की मांग करता है तो तुरंत सरकार को शिकायत दर्ज करवाई जाए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ऐसे गलत कामों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी अस्पताल के खिलाफ सख्त, दंडात्मक और मिसाली कार्रवाई करेगी। अंत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं पंजाब के लोगों से अपील करता हूं कि वे इस योजना का, जिसकी दुनिया भर में सराहना हो रही है, अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

इस योजना में रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र हैं। यह स्वास्थ्य कार्ड सुविधा केंद्रों और कॉमन सर्विस सेंटरों से या आधार कार्ड या वोटर कार्ड का उपयोग करके ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

लोगों से मिल रहे उत्साह का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना का पंजाब के लोगों ने भरपूर स्वागत किया है और लोग इस योजना का लाभ लेने के लिए ब?ी संख्या में आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने उन परिवारों को ब?ी राहत पहुंचाई है, जिन्हें पहले बीमारी के इलाज का भारी खर्च अपनी जेब से देना प?ता था।

मुख्यमंत्री ने भ्राम जानकारी फैलाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ पंजाब विरोधी ताकतें, जो नहीं चाहतीं कि राज्य के लोगों को ऐसी सुविधाएं मिलें, जानबूझकर इस प्रमुख योजना के बारे में झूठ फैला रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्षियों द्वारा योजना को लेकर की जा रही बेतुकी बयानबाजी का मकसद लोगों को इस योजना से सिर्फ निराश करना है, जो पूरी तरह से गैर-वाजिब और अनुचित है।

अस्पतालों को पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने इस योजना के तहत अधिक से अधिक निजी अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है और इस योजना के तहत सरकार ने लगभग 2,600 बीमारियों और इलाज सेवाओं के लिए दरें निर्धारित की हैं। भुगतान विधि के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अस्पतालों को आपसी सहमति से तय दरों के अनुसार भुगतान करेगी, चाहे वे अस्पताल किसी बीमारी या इलाज सेवा के लिए बाहर के व्यक्तियों से कितनी भी अधिक राशि वसूल रहे हों।

अस्पतालों की जवाबदेही के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत सूचीबद्ध सभी अस्पताल सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर इलाज देने के लिए बाध्य हैं और उन्हें यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि लाभार्थियों को कैशलेस इलाज मिले।

योजना के बारे में किसी भी तरह की गलत जानकारी को सीधे तौर पर खारिज करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अस्पतालों को सरकार द्वारा सीधा भुगतान किया जाएगा और लाभार्थियों से एक पैसा भी नहीं लिया जाएगा।

उन्होंने पंजाब विरोधी ताकतों द्वारा इस योजना के संबंध में गुमराह करने वाली और गलत तस्वीर पेश करने की कोशिशों को सिरे से नकारते हुए लोगों से अफवाहों से दूर रहने की अपील की। योजना के लाभों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के तहत लाभार्थियों के लिए इलाज सेवाएं कैशलेस हैं और अस्पतालों द्वारा मरीजों से कोई फीस नहीं ली जाएगी।

'ऑपरेशन प्रहार-2' के दूसरे दिन 1600 से अधिक व्यक्ति गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 10 फरवरी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के दौरान पंजाब पुलिस की टीमों ने आज 'ऑपरेशन प्रहार-2' के दूसरे दिन वांछित अपराधियों से संबंधित 2706 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि चल रही मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' में और तेजी लाते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को वांछित अपराधियों को पकड़ने पर केंद्रित 72 घंटे का 'ऑपरेशन प्रहार-2' शुरू किया था। इस ऑपरेशन के संचालन के लिए पंजाब पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न पुलिस जिलों का व्यक्तिगत दौरा किया।

इस संबंध में विवरण साझा करते हुए विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि ऑपरेशन 'प्रहार-2' के तहत लगभग 12,000 पुलिस कर्मियों वाली 2,000 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे पंजाब में वांछित अपराधियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है। ऑपरेशन प्रहार-2 के दूसरे दिन के परिणाम साझा करते हुए विशेष डीजीपी ने कहा कि कार्रवाई के दौरान 2596 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से 1,634 को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में 53 भगोड़े अपराधी और 534 एहतियातन हिरासत में लिए गए व्यक्ति शामिल हैं।

इसके अलावा 1,015 व्यक्तियों को पूछताछ और जांच के बाद रिहा कर दिया गया। लोग गुप्त रूप से एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर - 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध व अपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना/जानकारी भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' के 346वें दिन भी जारी रखते हुए आज 215 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2.7 किलोग्राम हेरोइन, 863 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 12,040 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इससे केवल 346 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 48,866 हो गई है। 'डी-एडिक्शन' के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 27 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास के लिए राज़ी किया है।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने पटियाला के स्कूल ऑफ एमिनेंस का अचानक किया दौरा, बुनियादी ढांचे का लिया जायजा

- **शिक्षा के लिए फंड की कोई कमी नहीं; स्कूल ऑफ एमिनेंस भविष्य के नेताओं को आकार दे रहे है: हरजोत सिंह बैंस**

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 10 फरवरी। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज सुबह पटियाला जिले के भादसों में स्थित स्कूल ऑफ एमिनेंस का अचानक दौरा किया, जो भगवंत मान सरकार की चल रही 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत सरकारी स्कूलों में शिक्षा को मजबूत करने की दृढ़ वचनबद्धता को उजागर करता है। इस दौरे के दौरान शिक्षा मंत्री ने चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों का जायजा लिया और शिक्षा की गुणवत्ता तथा प्रदान की जा रही सुविधाओं का मूल्यांकन करने के लिए विद्यार्थियों के साथ सीधे तौर पर बातचीत की।

स्कूल का व्यापक दौरा करते हुए स.हरजोत सिंह बैंस ने बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने सम्बन्धित कार्यों की प्रगति का बारीकी से जायज़ा लिया। उन्होंने स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और सुविधाओं के बारे में फीडबैक लेने के लिए विद्यार्थियों के साथ बातचीत भी की।

स. बैंस ने इस स्कूल में 90 लाख रुपए की लागत से बनाए जा रहे अति- आधुनिक इन्डोर स्पोर्टस कंपलैक्स के निर्माण का भी जायज़ा लिया, जिसमें दो कबड्डी मैट और एक कुश्ती मैट सहित 2,000 लोगों के बैठने की सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को मानसिक और शारीरिक पक्ष से सेहतमंद बनाने के लिए शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 'शिक्षा भगवंत मान सरकार की प्राथमिकता है। हमारे 'स्कूल आफ एमिनेंस' केवल इमारतें नहीं है; यह भविष्य के नेताओं और पेशेवरों का आधार है। प्राईवेट स्कूलों के विद्यार्थियों की तरफ से सरकारी स्कूलों में दाख़िला लेना हमारी नीतियों और प्रदान की जा रही मानक शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रमाण है।'

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'शिक्षा के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। हमारे विद्यार्थियों में निवेश करना सीधे तौर पर पंजाब और देश के भविष्य में निवेश करने के बराबर है।'

स्कूल प्रिंसिपल प्रीतइन्दर घई ने शिक्षा मंत्री को बताया कि इस शैक्षणिक वर्ष स्कूल के दाख़िलों में 11 प्रतिशत विस्तार हुआ है और 200 से अधिक विद्यार्थी प्राईवेट स्कूलों से आए है, जो कि सरकारी शिक्षा प्रणाली में अभिभावकों के बढ़ते विश्वास को दिखाता है। उन्होंने बताया कि 400 से अधिक विद्यार्थी छह स्कूल बसों के द्वारा यातायात सुविधाओं का लाभ ले रहे है, जो कि उत्तमता केंद्र के तौर पर स्कूल की बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

डॉ. बलजीत कौर ने नव-नियुक्त भलाई बोर्ड चेयरपर्सन के साथ पहली आधिकारिक बैठक की; हर वर्ग के हितों की सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकता

मान सरकार सामाजिक न्याय और समावेशी भलाई को मजबूत करने के लिए दृढ़ता से कर रही काम: डॉ. बलजीत

- **भलाई बोर्ड सरकार और समुदायों के बीच एक प्रभावशाली और जवाबदेह कड़ी के रूप में काम करेंगे**

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 10 फरवरी। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के निर्णायक नेतृत्व में, पंजाब सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करने और पूरे राज्य में सामाजिक न्याय तथा सशक्तिकरण के ढांचे को मजबूत करने के लिए निर्णायक, समयबद्ध और परिणाम-उन्मुख कदम उठा रही है। यह बात सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही।

पंजाब भवन में विभिन्न भलाई बोर्डों के नव-नियुक्त चेयरपर्सन के साथ पहली आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, डॉ. बलजीत कौर ने स्पष्ट रूप से कहा कि भलाई बोर्डों को सक्रियता, जिम्मेदारी और सरकार के साथ निकट समन्वय के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने चेयरपर्सन को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने समुदायों के मुद्दों, मांगों और प्राथमिकताओं की योजनाबद्ध तरीके से पहचान करें और यह सुनिश्चित करें कि इनका समय पर और प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से समाधान किया जाए।

बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न भलाई बोर्डों के चेयरपर्सन द्वारा उठाई गई समस्याओं को बहुत गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं समयबद्ध निर्देश जारी किए, साथ ही नियमित अनुपालन रिपोर्ट्स की मांग भी की, जिससे देरी या प्रक्रियागत ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई।

डॉ. बलजीत कौर ने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार का दृष्टिकोण भलाई बोर्डों के गठन से कहीं अधिक है। ÷हमारा उद्देश्य हर योग्य नागरिक को भलाई योजनाओं की प्रभावी, पारदर्शी और सीधी डिलीवरी सुनिश्चित करना है,÷ उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि सरकार ÷सबके लिए न्याय, सबके लिए विकास÷ के सिद्धांत पर अटूट प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा व्यवस्था के तहत समाज के किसी भी वर्ग को उपेक्षित या हाशिए पर धकेला महसूस करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस मिशन में भलाई बोर्डों से सरकारी नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में निर्णायक भूमिका निभाने की अपेक्षा की जाती है।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग के प्रधान सचिव श्री वी.के. मीणा, आई.ए.एस., निदेशक श्रीमती विम्मी भुल्लर, आई.ए.एस. तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित थे।

सरकार ने हाल ही में समाज के विभिन्न वर्गों की भलाई और उन्नति को सुनिश्चित करने के लिए कई भलाई बोर्डों का गठन किया

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार ने हाल ही में समाज के विभिन्न वर्गों की भलाई और उन्नति को सुनिश्चित करने के लिए कई भलाई बोर्डों का गठन किया है। इनमें कम्बोज भलाई बोर्ड , बाजीगर और टपरीवास भलाई बोर्ड, ब्राह्मण भलाई बोर्ड, खत्री अरोड़ा भलाई बोर्ड , दलित विकास भलाई बोर्ड, राय सिख भलाई बोर्ड , राजपूत भलाई बोर्ड , विमुक्त जाति भलाई बोर्ड , प्रजापति भलाई बोर्ड, सैनी भलाई बोर्ड, रामगढ़िया भलाई बोर्ड, अग्रवाल भलाई बोर्ड , गुज्जर भलाई बोर्ड, बैरागी भलाई बोर्ड, स्वर्णकार भलाई बोर्ड, सैन समाज भलाई बोर्ड, पंजाब राज्य मुस्लिम विकास बोर्ड, प्रवासी भलाई बोर्ड, कनौजिया भलाई बोर्ड, मसीह भलाई बोर्ड, सूफी संत समाज भलाई बोर्ड शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये भलाई बोर्ड अपने समुदायों को सामने आने वाली सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक चुनौतियों का आवश्यकता-आधारित मूल्यांकन करेंगे, सरकार को ठोस नीतिगत सिफारिशें सौंपेंगे और प्रशासन तथा लोगों के बीच एक मजबूत एवं जवाबदेह संस्थागत पुल के रूप में काम करेंगे।

एंग्लो-सिख युद्ध के दौरान सभराओ की जंग में अंतिम सांस तक लड़ने के लिए स. शाम सिंह अटारीवाला हमेशा याद रहेंगे : ईटीओ

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

अमृतसर, 10 फरवरी। पंजाब सरकार द्वारा सिख कौम के महान जरनैल शाम सिंह अटारीवाला का 180वां शहीदी दिवस आज इंडिया गेट और अटारी समाधि पर पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

राज्य स्तरीय शहीदी समारोह के अवसर पर पंजाब के लोक निर्माण मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. मुख्य अतिथि और श्री जसविंदर सिंह रमदास, हल्का विधायक अटारी तथा डॉ. जसबीर सिंह संधू, विधायक अमृतसर पश्चिमी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर इंडिया गेट के पास बने महान जरनैल शाम सिंह अटारीवाला के स्मारक पर कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ., विधायक डॉ. जसबीर सिंह संधू, ब्रिगेडियर एस.एस. जामवाल, कमांडर 54 इन्फेंट्री ब्रिगेड, कर्नल सुमित शर्मा, उपायुक्त श्री दलविंदरजीत सिंह, पुलिस आयुक्त सरदार गुरप्रीत सिंह भुल्लर, एस.डी.एम. सरदार मनकंवल सिंह चाहल, कर्नल हरिंदर सिंह, कर्नल कुलदीप सिंह ने शहीद सरदार शाम सिंह अटारीवाला की प्रतिमा पर श्रद्धांजलियां अर्पित कीं। इस अवसर पर पंजाब पुलिस के जवानों द्वारा महान जरनैल सरदार शाम सिंह अटारीवाला को हथियार उल्टे कर सलामी भी दी गई।

इसके बाद अटारी स्थित सरदार शाम सिंह अटारीवाला की समाधि पर आयोजित श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद धार्मिक दीवान सजाए गए। श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई गुरजीत सिंह बैंका द्वारा गुरु जस गायन किया गया और भाई गुरप्रीत सिंह भंगू के ढाडी जत्थे द्वारा जरनैल शाम सिंह अटारीवाला के जीवन और उनकी शहादत का वृत्तांत संगतों के साथ साझा किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने अटारी पहुंच कर महान जरनैल शाम सिंह को श्रद्धा के फूल अर्पित किए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने सरदार शाम सिंह अटारीवाला जी की समाधि पर नतमस्तक होकर उन्हें अपनी श्रद्धा और सम्मान अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार शाम सिंह अटारीवाला म्यूजियम का दौरा भी किया।

इसके बाद धार्मिक दीवान में सरदार शाम सिंह अटारीवाला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कैबिनेट मंत्री सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा कि सरदार शाम सिंह अटारीवाला सिख कौम के महान जनरल थे और एंग्लो-सिख युद्ध के दौरान सभराओ की जंग में आखिरी दम तक जूझने के लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा।

आतंकी साजिश को नाकाम किया; आरडीएक्स आधारित आईईडी सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

अमृतसर, 10 फरवरी। पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई गई मुहिम के दौरान, खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर ने एक आरोपी को आरडीएक्स आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस सहित गिरफ्तार कर पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल कुमार उर्फ गज्जू, निवासी चमरंग रोड, अमृतसर के रूप में हुई है। वह अमृतसर के एक सैलून में सहायक के रूप में काम करता है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के निर्देश पर काम करने वाला एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी राहुल ने अपने विदेशी हैंडलर के निर्देश पर शहर के बाहरी इलाके में एक निर्धारित स्थान से खेप प्राप्त की थी। कहा कि डिवाइस को पीवीसी पाइप की केसिंग में छिपाया गया था ताकि इसका पता न चल सके। डीजीपी ने कहा कि आईईडी की डिलीवरी के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि पाकिस्तान से आईईडी वाली खेप भेजे जाने की विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने पर पुलिस टीमों ने एक ऑपरेशन चलाया और संदिग्ध राहुल उर्फ गज्जू को आईईडी सहित गिरफ्तार कर लिया।

सन्मति विमल जैन स्कूल में श्री सुखमणि साहिब जी का पाठ करवाया

जगरांओ, 10 फरवरी। सन्मति विमल जैन सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, जगराओं में विद्यार्थियों की परीक्षा में सफलता और सभी की भलाई के लिए श्री सुखमणि साहिब जी का पाठ श्रद्धा एवं भक्ति भाव से करवाया गया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ व विद्यार्थियों ने संगत रूप में पाठ में भाग लिया। बाबा मेजर सिंह दमदमी टकसाल वालों ने अरदास करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और परीक्षा में सफलता की कामना की। कार्यक्रम के उपरांत स्कूल की ओर से गुरु का लंगर भी लगाया गया। स्कूल की प्रिंसिपल सुप्रिया खुराना ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रधान रमेश जैन, वाइस प्रधान कांता सिंगला, सेक्रेटरी महावीर जैन सहित स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य, अध्यापकगण, स्टाफ सदस्य एवं स्कूल के सभी ड्राइवर उपस्थित रहे।

बाल जोगी परगट नाथ बने भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

चंडीगढ़, 10 फरवरी। भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को बड़े और अंतरराष्ट्रीय केंद्र के तौर पर विकसित करने के स्पष्ट विजन के साथ मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने श्री बाल जोगी परगट नाथ को भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल के श्राइन बोर्ड के सलाहकार बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को दलित आस्था, विरासत और आध्यात्मिक फलसफे के विश्व स्तरीय मान्यता प्राप्त केंद्र के तौर पर उभारने की भगवंत मान सरकार की नीयत को दर्शाता है। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री बाल जोगी परगट नाथ को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को दलित आस्था के अंतरराष्ट्रीय केंद्र के तौर पर विकसित किया जाएगा, जो दुनिया भर के श्रद्धालुओ, विद्वानों और सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भारत के विकास में दलित भाईचारे का बड़ा योगदान रहा है और भगवंत मान सरकार इस योगदान का सम्मान करने और इसको घर- घर पहुंचाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। उन्होंने कहा, ÷ भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल न केवल आस्था का पवित्र स्थान है, बल्कि बहुत बड़ी सभ्यता वाला महत्वपूर्ण स्थान भी है। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भगवंत मान सरकार भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को ऐसे तरीके के साथ विकसित करने के लंबे समय के विजन के साथ काम कर रही है कि भगवान वाल्मीकि जी के जीवन, फलसफे और शाश्वत योगदान को विश्व मंच पर पेश किया जा सके। उन्होंने कहा, ÷ कोशिश यह है कि भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल को अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि वाले ऐसे स्थान के तौर पर विकसित किया जाए, जहां आस्था, इतिहास और शिक्षा का मेल हो, जिसके साथ अलग- अलग देशों के लोग आदि कवि भगवान वाल्मीकि जी की आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत के साथ जुड़ सकें।

भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल- आस्था, इतिहास और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक

अमृतसर के नज़दीक स्थित भगवान वाल्मीकि जी का यह पवित्र स्थान आस्था, इतिहास और आध्यात्मिक विरासत का एक शाश्वत प्रतीक है। अमृतसर से लगभग 12 किलोमीटर पश्चिम में चोगावां रोड पर स्थित भगवान वाल्मीकि जी तीर्थ स्थल रामायण काल का है और महारिषी वाल्मीकि जी के आश्रम के तौर पर जाना जाता है। इस पवित्र स्थान पर एक प्राचीन सरोवर और कई मंदिर है। यहां एक कुटिया भी है जो उस स्थान की निशानदेही करती है जहां माता सीता जी ने अपने दो पुत्रों लव और कुश को जन्म दिया था। इस तीर्थ पर भगवान वाल्मीकि जी की कुटिया भी मौजूद है। यहां पुरातन समय से नवंबर में पूर्णमाशी की रात से चार दिवसीय मेला लगता आ रहा है। चोगावां रोड पर स्थित यह स्थान महारिषी वाल्मीकि जी की महान विरासत को याद करवाता है।

भगवान वाल्मीकि जी पैनोरामा- आस्था और सम्मान की मिसाल

भगवंत मान सरकार ने दलित आस्था प्रति सत्कार को असली रूप दिया है। अक्तूबर 2024 में, मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने अमृतसर में अति- आधुनिक 'भगवान वाल्मीकि जी पैनोरामा'लोगों को समर्पित किया था। उन्होंने इस को दुनिया के पहले महाकाव्य रामायण के रचेता आदि कवि भगवान वाल्मीकि जी को एक नम्र श्रद्धांजलि बताया था। 9 एकड़ में 32. 78 करोड़ रुपए की लागत के साथ बना यह पैनोरामा 14 गैलरियां के द्वारा भगवान वाल्मीकि जी के जीवन, फलसफे और योगदान को पेश करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रयोग करता है। इसमें उनके शुरुआती जीवन, रामायण की रचना, माता सीता और लव- कुश, योग्य, संजीवनी विद्या, अश्वमेध यग्य, योग्य वशिष्ट और उनकी शिक्षाएं का वर्णन किया गया है। पुस्तकालय, कैफेटेरिया और सोवीनियर शाप जैसी आधुनिक सहूलतों के साथ लैस यह पैनोरामा पंजाब सरकार की आस्था को संभालने और दलित आध्यात्मिक विरासत का सम्मान करने की वचनबद्धता को दर्शाती है।

17 फरवरी को युवा कांग्रेस पंचकूला करेगी एचपीएससी दफ्तर का घेराव : दीपेन्द्र

- एचपीएससी चेयरमैन को तत्काल पद से हटाया जाए और किसी काबिल हरियाणावासी को चेयरमैन बनाया जाए
- पीजीटी कंप्यूटर साईंस परीक्षा तुरंत रद्द हो
- पंचकुला में पिछले लंबे समय चल रहे धरने को हमारा पूर्ण समर्थन है

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़ : सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज दिल्ली में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि HPSC सिलेक्शन की बजाय हरियाणवी युवाओं के लिए रिजेक्शन कमीशन के रूप में काम कर रहा है। हरियाणा के युवाओं का हक मारा जा रहा है। पंचकुला में आज भी एचपीएससी दफ्तर के बाहर बच्चों का धरना चल रहा है। हरियाणा सरकार और HPSC एक साजिश के तहत नौकरी बाहर वालों को और ठोकर अपने वालों को दे रहा है। जिस प्रकार हरियाणा की सरकार रिमोट कंट्रोल से दिल्ली से चल रही है वैसे ही नौकरियों का कंट्रोल भी बाहर से चल रहा है। क्योंकि ज्यादातर चयन बाहर के युवाओं का हो रहा है। हरियाणा के युवा यूपीएससी, IIT, NET, JRF एवं अन्य बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉप कर लेते हैं लेकिन, HPSC सोची-समझी साजिश के तहत अपनी परीक्षाओं में इन्हें अयोग्य ठहरा रहा है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि विकास के बड़े बड़े प्रोजेक्ट जैसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट, रेल कोच फैक्ट्री, गुरुग्राम का रक्षा विश्वविद्यालय, झज्जर के 11 राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य संस्थान, जो हमने मंजूर कराये थे वो भी बाहर चले गये और एचपीएससी में भी बाहर के नौजवान लग रहे हैं। ऐसे में हरियाणा के युवा कहां जाएं। उन्होंने कहा कि 17 फरवरी को युवा कांग्रेस पंचकुला HPSC दफ्तर का घेराव करेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने प्रदेश के युवाओं का आवाह्न किया कि 17 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंचकुला पहुंचें और HPSCदफ्तर के घेराव एवं विरोध प्रदर्शन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं के हक के लिए हम संसद, विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ाई लडेंगे। इससे पहले उन्होंने पंचकूला में HPSCके खिलाफ धरने पर बैठे युवा साथियों से फोन पर बात की और पंचकुला में पिछले लंबे समय चल रहे धरने को अपना पूर्ण समर्थन दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि एचपीएससी चेयरमैन को तत्काल पद से हटाया जाए और किसी काबिल हरियाणावासी को चेयरमैन बनाया जाए, पीजीटी कंप्यूटर साईंस परीक्षा तुरंत रद्द हो और 2014 से अब तक साढे 11 वर्षों में हुई भर्ती परीक्षाओं में कितने बाहरी और कितने हरियाणावासी चयनित हुए, HPSC हर सेलेक्शन लिस्ट जारी करे, सरकार श्वेत पत्र जारी करे। जिससे हरियाणा की जनता को स्पष्ट हो जाए कि प्रथम और द्वितीय श्रेणी की भर्तियों में हरियाणवी युवाओं की कैसे उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि HPSCद्वारा बाहरी युवाओं के चयन से न केवल स्थानीय युवाओं में निराशा ब? रही है अपितु बाहरी उम्मीदवारों के चयन से हरियाणा का प्रशासन पंगु हो गया है। सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार चरम पर है। क्योंकि बाहरी उम्मेदवार उस अपनेपन से प्रदेश की जनता की सेवा नहीं करते जिस अपनेपन से हरियाणवी नौजवान करते हैं। वर्षों इंतजार के बाद HPSC PGT Computer Science की 1711 पदों की भर्ती का Result आया तो सिर्फ 39 ही पास हुए, बाकी को अयोग्य ठहरा दिया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश के 28 प्रदेशों में अकेला ऐसा प्रदेश है जहाँ HPSC चेयरमैन बाहर से लाकर बनाया गया। दूसरा ऐसा कोई प्रदेश नहीं है जहां पब्लिक सर्विस कमीशन का चेयरमैन उस प्रदेश की बजाए किसी दूसरे प्रदेश का बनाया गया हो। जब से बाहर के प्रदेश से लाकर एचपीएससी चैयरमैन बनाया गया है तब से ज्यादातर अन्य प्रदेशों के बच्चे ही चयनित हो रहे हैं। जबकि अन्य प्रदेशों में वहाँ की सरकारें अपने राज्य के युवाओं को नौकरियों में प्राथमिकता देती है। अगर हरियाणा की ज्यादातर सरकारी नौकरियों में भी बाहर के बच्चे लगेंगे तो हरियाणा के बच्चे कहाँ जायेंगे? दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सोची समझी साजिश के तहत हरियाणावासियों का हक मारा जा रहा है और जिन वर्गों को आरक्षण का लाभ मिलता है उनके साथ भी बड़ा धोखा हो रहा है।

हरियाणा के युवा डंकी रूट से पलायन कर रहे और हरियाणा में ग्रुप ए, बी की, सी की नौकरियों का पलायन दूसरे प्रदेशों में हो रहा है। हरियाणा के बाहर के प्रदेशों के बच्चों के चयन और आरक्षित वर्गों की सीट खाली छोड़े जाने का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि हरियाणा पावर यूटिलिटीज में असिस्टेंट इंजीनियर AE/SDO भर्ती में 214 अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया जिसमें से केवल 29 हरियाणा के थे। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि इससे पहले सिविल जज के चयन में 110 में से 60 बाहर के, सिंचाई विभाग में 49 में से 28 हरियाणा से बाहर के उम्मीदवार थे। एसडीओ इलेक्ट्रिकल में 80 में से 69 बाहर के, केवल 2 ही हरियाणा के थे। इसी तरीके से टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट में लेक्चरर में 153 में से 106 बाहरी उम्मीदवार चयनित हुए। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जिन वर्गों को आरक्षण से लाभ मिलना चाहिए था, उन वर्गों के साथ भी बैकडोर से बड़ा धोखा किया जा रहा है। इसका भी उदाहरण देते हुए बताया पिछले हफ्ते असिस्टेंट प्रोफेसर, इंग्लिश 613 में से कुल 151 अभ्यर्थियों का चयन हुआ, बाकी पद खाली रहे। डीएससी वर्ग के साथ बड़ा अन्याय करते हुए 60 रिजर्व सीट्स में से केवल 1 का चयन किया गया, 35न और कई कंडीशंस की आड में बाकी खाली छोड़ दी गई। हरियाणा में ग्रुप ए और ग्रुप बी की नौकरी में साजिश के तहत आरक्षित वर्गों की सीटों को खाली छोरू। जा रहा है। भर्तियों को पांच वर्षीय योजना बना दिया गया है। चुनाव से पहले भर्तियों का राजनीतिक इस्तेमाल करके वोट बटोरा जाता है फिर युवाओं को 5 साल तक ठोकर खाने के लिये छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी की भर्तियों में अनेक टॉपर युवाओं को रिजेक्ट कर दिया गया।

पहला ऑनलाइन तबादला अभियान, सरकार ने स्पष्ट की नोशनल वैकेंसी और नोशनल कैटेगरी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के पहले ऑनलाइन तबादला अभियान से पूर्व मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी, 2025 के तहत नोशनल वैकेंसी और नोशनल कैटेगरी शब्दों की एक समान व्याख्या सुनिश्चित करने के लिए स्पष्टीकरण जारी किया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को भेजे गए पत्र के अनुसार,

यह देखने में आया है कि विभिन्न विभाग नोशनल वैकेंसी और नोशनल कैटेगरी शब्दों की अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं, जिससे नीति के क्रियान्वयन में विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं और कानूनी विवाद की आशंका भी बढ़ रही है। इस विषय की कानूनी सिद्धांतों, नीति के उद्देश्य और प्रशासनिक व्यवहार्यता के दृष्टिकोण से समीक्षा करने के बाद एक समान निर्णय लिया गया है। जारी स्पष्टीकरण के अनुसार, ट्रांसफर पॉलिसी की अधिसूचना से पहले मौजूद रिक्त पदों को पहले ऑनलाइन तबादला अभियान के दौरान न तो नोशनल वैकेंसी माना जाएगा और न ही उन्हें नोशनल कैटेगरी में रखा जाएगा। हालांकि, अधिसूचना की तिथि और पात्रता तिथि के बीच उत्पन्न रिक्तियों को केवल एक बार के उपाय के रूप में नोशनल वैकेंसी या कैटेगरी माना जाएगा। इसके अतिरिक्त, पात्रता तिथि के बाद उत्पन्न होने वाली रिक्तियों को वर्तमान तबादला प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। ऐसी रिक्तियों पर केवल आगामी ट्रांसफर अभियानों में नोशनल वैकेंसी या कैटेगरी के रूप में विचार किया जाएगा।

सरकार ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) को मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी सॉफ्टवेयर में आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पहले चरण का कोई भी जारी तबादला अभियान फिलहाल रेशनलाइजेशन चरण से बाहर न हो और इसे प्री-रेशनलाइजेशन चरण में वापस लाया जाए। साथ ही, उपरोक्त निर्णयों के अनुरूप सॉफ्टवेयर में अतिरिक्त संशोधन करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों को सभी संबंधित अधिकारियों तक तत्काल पहुंचाने और कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

एक नजर

भारत में पहली बार 'वीची एचएमआर' वेट वेनियर एडहेसिव तकनीक का प्रस्तुतीकरण

यमुनानगर भारत में वुड एवं प्लाई उद्योग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि के रूप में वुड टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन की टीम द्वारा भारत में पहली बार 'वीची एचएमआर' वेट वेनियर एडहेसिव तकनीक का प्रस्तुतीकरण किया गया। यह तकनीक सुभाष जॉली के संरक्षण में प्रस्तुत की गई, जिसे देश के प्लाई, वेनियर एवं फर्नीचर उद्योग के लिए एक नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों, तकनीशियनों और उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि 'वीची एचएमआर' वेट वेनियर एडहेसिव तकनीक की प्रमुख विशेषता यह है कि यह 10 प्रतिशत, 15 प्रतिशत, 20 प्रतिशत अथवा उससे अधिक नमी वाले वेनियर के साथ भी प्रभावी ढंग से कार्य करती है। इससे वेनियर को सुखाने की अतिरिक्त प्रक्रिया की आवश्यकता काफी हद तक कम हो जाती है, जिससे समय और उत्पादन लागत दोनों में बचत होती है। विशेषज्ञों ने जानकारी दी कि यह तकनीक फॉर्मल्डिहाइड क्लास ई0, ई1 और ई2 मानकों के अनुरूप है, जो इसे पर्यावरण के अनुकूल और स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित बनाती है। इस अवसर पर बताया गया कि इस तकनीक को अपनाने से ऊर्जा की खपत में उल्लेखनीय कमी आती है और वेनियर की बर्बादी भी कम होती है। साथ ही उत्पादन प्रक्रिया में कम मानव संसाधन की आवश्यकता पड़ती है, जिससे उद्योगों की कार्यकुशलता बढ़ती है। यह प्रक्रिया सुगम और झंझट-मुक्त बताई गई, जिसमें रिपेयर प्रतिशत नगण्य रहता है और आउटपुट एक समान तथा उच्च गुणवत्ता वाला प्राप्त होता है। वुड टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अध्यक्ष ने कहा कि 'वीची एचएमआर' वेट वेनियर एडहेसिव तकनीक भारतीय प्लाई और फर्नीचर उद्योग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेष रूप से छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों के लिए यह तकनीक लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने उद्योग जगत से इस तकनीक को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति का 5वां जिला सम्मेलन आयोजित

भिवानी. हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति भिवानी का 5वां जिला सम्मेलन रविवार को स्थानीय विजय नगर स्थित अध्यापक भवन में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता समिति के जिला उपाध्यक्ष रतन कुमार जिंदल ने की। वही मंच संचालन जिला सचिव नंद किशोर सोलकीं ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य प्रधान डा. प्रमोद कुमार गोरी ने कहा कि आज दुनियां में साम्राज्यवादी ताकतें जो अपने आप को विकसित कहलाते है। अपने-अपने देशों में उग्र संकीर्ण अंध राष्ट्रवाद पैदा करके तीसरी दुनियां के देशों के संसाधनों पर डाका डाल रहे है। हालही में वैनेजुएला के राष्ट्र अध्यक्ष व उसकी पत्नी का अपरहण करके वहां के तेल संसाधनों पर कब्जा करना, हमारे जैसे देशों के व्यापार करने की स्वतंत्रता व संप्रभुता पर हमला किया जा रहा है। हमारे देश में भी सत्ता जनता में अंध विश्वास, अंध राष्ट्रवाद, सांप्रदायिकव जातिवादी भावनांए भडड़ा कर देश की वास्तविक समस्याएं आर्थिक असमानता, सामाजिक न्याय, वैज्ञानिक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व कृषि विकास से ध्यान हटाना चाहते है। इन कारपोरेट व साम्रदायिक ताकतों के गठजोड़ ने धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य के संविधान व ढांचे को अभूतपूर्व चुनौती दे रखी है। पर्यावरण संरक्षण विकास माडल अपनाने की बजाए घोर पूंजिवादी मुनाफा आधारित विकास माडल अपना कर देश के संसाधनों का एक वर्ग विशेष हित के लिए अन्धा धुंध दोहन किया जा रहा है। जो लोगों के जीवन यापन हेतु जरूरी पर्यावरण को नुकसान किया जा रहा है, अरावली क्षेत्र की तेजी से खन्नन करवाकर जल, जंगल व जमीन को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ज्ञान विज्ञान समिति जनता में वैज्ञानिक सोच पैदा करके अंध विश्वास, सांप्रदायिकता, जातिवाद, आर्थिक सामाजिक व शैक्षणिक असमानता को दूर करके वैज्ञानिक व धर्म निरपेक्ष शिक्षा पर जोर देकर चौतरफा सार्वजनिक संसाधनों को जन हित के लिए प्रयोग करने पर जोर देता है। समिति के जिला सचिव नंद किशार सोंलकी ने तीन वर्षों के समिति के कार्य की रिपोर्ट रखी तथा उस पर बहस करवाई गई। कई लोगों ने बहस में हिस्सा लेकर कुछ संसाधनों के साथ प्रस्तुत रिपोर्ट को पास कर दिया तथा आगामी तीन वर्ष के लिए जिला कार्यकारीणी का गठन किया गया, जिसमें 18 सदस्यों की कार्यकारणी के साथ नंद किशोर सोलंकी जिला अध्यक्ष व जगदीश कुमार को जिला सचिव व मास्टर रण सिंह को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया।

पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का भ्रमण

फरीदाबाद। हरियाणा के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सोमवार को अपनी धर्मपत्नी एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विश्वविख्यात सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश से आए शिल्पकारों द्वारा तैयार की गई आकर्षक हस्तशिल्प कलाकृतियों, पारंपरिक उत्पादों तथा सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी प्रस्तुतियों का अवलोकन किया और शिल्पकारों से संवाद कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। पर्यटन मंत्री ने विभिन्न राज्यों और देशों के थीम पवेलियनों का निरीक्षण करते हुए कहाकि सूरजकुंड मेला भारत की लोक संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और शिल्प परंपराओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल कलाकारों की आर्थिक उन्नति में सहायक है, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित कर पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा दे रहा है। भ्रमण के दौरान डॉ. अरविंद शर्मा ने प्रसिद्ध सूफी गायक एवं शास्त्रीय संगीतकार कशिश मित्तल की भावपूर्ण संगीतमय प्रस्तुति का भी आनंद लिया। सूफी और शास्त्रीय संगीत के मधुर संगम से सजे इस कार्यक्रम ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पूरे परिसर में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण का सृजन किया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला हरियाणा की पहचान बन चुका है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हरियाणा सरकार मेले को और अधिक भव्य, सुव्यवस्थित तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि हरियाणा पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके।

एक माह में गुरुग्राम की क्षतिग्रस्त सड़कों को बनाया जाए मोटरेबल : नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ करें तथा किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के समग्र विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिले से जुड़ी प्रत्येक समस्या पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और उनका शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार निरंतर जन समस्याओं की समीक्षा कर रही है, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके और विकास कार्यों में गति बनी रहे। मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 17 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 12 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 5 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। एक माह में गुरुग्राम की क्षतिग्रस्त सड़कों को मोटरेबल बनाने के निर्देश बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सेक्टर-10ए स्थित उमंग भारद्वाज चौक से वाया गाडौली होते हुए द्वारका एक्सप्रेसवे तक सड़क की खस्ताहाल स्थिति की शिकायत पर संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले 24 घंटे के भीतर सड़क को गड्ढा-मुक्त किया जाए।

सेवा का महाकुंभ : तीन चिकित्सा पद्धतियों से मरीजों की जांच, निशुल्क उपचार से मिल रही राहत

सिरसा। परम पिता शाह सतनाम जी महाराज के पवित्र एमएसजी महारहमोकर्म माह (गुरुदीनशनीनी माह) की खुशी में शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल में सेवा के महाकुंभ अभियान के तहत विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर में एलोपैथी, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से मरीजों की जांच कर उन्हें उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल में एलोपैथी विभाग के अंतर्गत आयोजित न्यूरोसर्जरी व न्यूरोलॉजी जांच शिविर में डॉ. सुमित धवन, डॉ. ललित भाटिया, डॉ. बिजोय शाह, डॉ. सिमरन और डॉ. मोनिशा ने अपनी सेवाएं देते हुए मरीजों की जांच की और आवश्यक परामर्श प्रदान किया। वहीं आयुर्वेदिक शिविर में पूज्य माता आस कौर जी आयुर्वेदिक अस्पताल के डॉ. अजय गोपलानी, डॉ. मीना गोपलानी, डॉ. शशिकांत, डॉ. संगीता, डॉ. मुनीश व डॉ. जगवीर ने मरीजों की जांच कर उन्हें केरल पंचकर्म सहित विभिन्न आयुर्वेदिक विधियों से उपचार दिया। इसके साथ ही एमएसजी नेचुरोपैथी अस्पताल के डॉ. एम. रवि कुमार, डॉ. रूपेश और बिजोय परदा ने प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से विभिन्न बीमारियों के उपचार संबंधी जानकारी देते हुए मरीजों का मार्गदर्शन किया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लेकर निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। बता दें कि यह स्वास्थ्य सेवा शिविर जनवरी माह से लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविरों में आने वाले मरीजों की जांच, उपचार और अन्य व्यवस्थाओं का संपूर्ण खर्च पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां द्वारा वहन किया जा रहा है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने किया जिला जेल का निरीक्षण

सिरसा. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने सोमवार को स्थानीय जिला जेल का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला भी मौजूद रहे।इस दौरान उन्होंने जिला जेल परिसर में स्थित विभिन्न कारखानों का निरीक्षण किया। इनमें सरसों के तेल का कोलू, वेल्डिंग वर्क्स, बेकरी, पेट्रोल पंप तथा कारपेंटर वर्कर्स शामिल रहे। उन्होंने इन इकाइयों में चल रही गतिविधियों, व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल प्रशासन को सभी कारखानों एवं परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के निर्देश दिए। साथ ही बंदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया।

न्यायमूर्ति संदीप मुद्गिल का जिला बार एसोसिएशन ने किया स्वागत, सौंपा मांगपत्र

भिवानी. पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं भिवानी के इंस्पेक्टिंग जज संदीप मुद्गिल ने जिला बार एसोसिएशन के सभागार का दौरा किया। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन भिवानी द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें न्यायिक व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और वकीलों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सभागार पहुंचने पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर व सचिव विनोद भारद्वाज सहित अन्य पदाधिकारियों ने न्यायमूर्ति संदीप मुद्गिल का गर्मजोशी से स्वागत किया। हरियाणा की गौरवशाली परंपरा के अनुसार न्यायाधीश को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया और उन्हें एक स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया को भी स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति के समक्ष वकीलों और वादियों की सुविधा के लिए चार प्रमुख मांगें रखी, जिसमें दूसरी फैमिली कोर्ट को लाना, लेबर कोर्ट एस्टेबलिश करवाना, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार आदि की कोर्ट के केस को ऑनलाईन कराने के लिए व्यवस्था करवाना तथा ओल्ड कोर्ट कैंपस को न्यू कोर्ट कैंपस से जोडने के लिए कोरिडोर का निर्माण करवाना आदि रही। इस दौरान न्यायमूर्ति संदीप मुद्गिल ने उपायुक्त को तुरंत आदेश जारी कर दिए हैं कि इन अदालतों की कार्यवाही को जल्द से जल्द ऑनलाइन व्यवस्था से जोड़ा जाए। इसके अलावा कॉरिडोर निर्माण और अन्य मांगों पर भी सकारात्मक रूप से विचार किया जा रहा है और इन्हें जल्द पूरा किए जाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर न्यायमूर्ति संदीप मुद्गिल ने अधिवक्ता को संबोधित करते हुए न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और तकनीक के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मौके पर ही डिजिटल सुधारों को लेकर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि न्याय प्रक्रिया को सुलभ और पारदर्शी बनाना हमारी प्राथमिकता है। इस दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एसडीएम और तहसीलदारों की अदालतों के केस ऑनलाइन होने से जनता को सुविधा होगी।

इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन भिवानी के प्रधान संदीप तंवर ने कहा कि हमने न्यायमूर्ति के समक्ष लंबे समय से लंबित कॉरिडोर की मांग और तहसील स्तर की अदालतों के ऑनलाइन न होने का मुद्दा उठाया था। हमें खुशी है कि न्यायमूर्ति मुद्गिल ने डिजिटल केस मैनेजमेंट के लिए तुरंत निर्देश जारी किए हैं। इससे ना केवल वकीलों का काम आसान होगा, बल्कि आम जनता को भी अपने केसों की स्थिति जानने में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि एसडीएम और तहसीलदार कोर्ट के ऑनलाइन होने से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और काम में तेजी आएगी।

शिल्पा शेट्टी ने पेरेंट्स के लिए शेयर किया वीडियो, इंटरनेट एडिक्शन पर की बात

इंटरनेट या सोशल मीडिया आज के समय बच्चे और माता-पिता दोनों के लिए बड़ी परेशानी बनकर उभर रही हैं। बच्चे इंटरनेट के इतने आदी हो चुके हैं कि खाना भी बिना फोन के खाना मुश्किल हो गया है। परिस्थिति इतनी खराब है कि इंटरनेट गेम्स की वजह से बच्चों की जान भी जा रही है, लेकिन अब इसी समस्या पर सबका ध्यान खींचते हुए अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने माता-पिता से खास अपील की है। उन्हें कुछ ऐसे टिप्स बताएं हैं, जिससे बच्चों को इंटरनेट की लत लगने से रोका जा सकता है। %सेफर इंटरनेट डे% पर शिल्पा शेट्टी ने आज के माता-पिता के लिए एक हेल्पफुल वीडियो पोस्ट किया है जिसमें बच्चों पर कंट्रोलिंग किए बिना धीरे-धीरे इंटरनेट यूज की आदत को कम किया जा सकता है। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, आज के दिन मैं इस मुद्दे पर अपने दिल से बात करना चाहती हूं, न सिर्फ एक सेलिब्रिटी होने की वजह से बल्कि एक मां होना इसके पीछे का बड़ा कारण है। इंटरनेट इस वक्त की सबसे शक्तिशाली शक्ति है, जिसका उपयोग हर कोई कर रहा है। इंटरनेट क्रिएटिविटी की आजादी देता है लेकिन साथ ही इसके नुकसान भी हैं। इंटरनेट की वजह से युवा और नन्हें बच्चों के दिमाग पर उन चीजों का असर पड़ रहा है, जिनके बारे में जानना भी उनके लिए जरूरी नहीं है।

माता-पिता को सलाह देते हुए अभिनेत्री ने आगे कहा, माता-पिता का काम है कि वह टेक्नोलॉजी और बच्चों के बीच संतुलन स्थापित करें, लेकिन सवाल है कि करें कैसे। सबसे पहले अपने बच्चे पर ध्यान दें कि वह इंटरनेट पर क्या देख रहा है या स्क्रॉल कर रहा है और उससे बात करने की कोशिश करें कि उसके मन में क्या चल रहा है क्योंकि बच्चे किसी चीज के बारे में जानने के लिए उत्सुक होते हैं तो इंटरनेट का सहारा लेते हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, दूसरा बच्चों के साथ अपना रिश्ता मजबूत करे, खासकर टीनएज बच्चों के साथ और उन्हें भरोसा दिलाए कि इंटरनेट पर दिखाई जा रही हर चीज असली नहीं होती है और सही भी। बच्चों को सही और गलत के बीच का फर्क समझाएं। अभिनेत्री ने सभी से अपील की आज से सभी माता-पिता मिलकर अपने बच्चों की जिंदगी को बदलने की कोशिश करते हैं और उन्हें इंटरनेट के आदी होने से बचाते हैं। बता दें कि शिल्पा शेट्टी खुद दो बच्चों की मां हैं। उनके बेटे का नाम वियान राज कुंद्रा और बेटी का नाम समीषा शेट्टी कुंद्रा है। अभिनेत्री ने सेरोगेसी से बेटी को जन्म दिया था।

हर शरीर, हर रंग, हर महिला- मैरून का न्यूड आंदोलन

भारतीय इनरवियर उद्योग में अग्रणी, मैरून ने अपने नवीनतम नवाचार- न्यूड-फाइंड माय स्किन टोन कलेक्शन का अनावरण किया है। वान्या पिक्चर्स द्वारा शूट किए गए एक प्रभावशाली अभियान के माध्यम से, ब्रांड भारतीय विविधता का संदेश दे रहा है, जो यह साबित करता है कि स्किन-टोन प्रतिनिधित्व पर हर महिला का अधिकार है। इस अभियान में मॉडल्स को विभिन्न शारीरिक स्थितियों, जैसे कि बैठकर या दिव्यांग स्थितियों में दिखाया गया है। यह रचनात्मक विकल्प एक बड़े उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह दिखाना कि शरीर के लिए एक डिजाइन न्यूड कलेक्शन इस दर्शन पर आधारित है कि हम यूनिवर्सल बेज के युग को समाप्त कर रहे हैं। मैरून ऐसे इंडियन न्यूड शेड्स लाया है जो त्वचा की वास्तविक परतों के साथ तालमेल बिठाते हैं, न कि उनसे प्रतिस्पर्धा करते हैं। डायरेक्टर्स मनन जैन, मनोज जैन और मीता जैन ने बताया कि यह कलेक्शन विविध शरीर की जरूरतों के प्रति उद्योग की पिछली उपेक्षा का जवाब है। डायरेक्टर्स ने कहा, हमने केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि एक समाधान तैयार किया है। हमारे फ्रंट-ओपन डिजाइन, सीमलेस स्ट्रेच फैब्रिक और सांस लेने योग्य मटेरियल घर्षण और दबाव के निशान को रोकने के लिए तैयार किए गए हैं। चाहे कोई महिला व्हीलचेयर पर हो या ऑफिस डेस्क पर लंबे समय तक बैठी हो, उसे बिना शर्त आराम मिलना चाहिए। डायरेक्टर मीता जैन ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे इनरवियर शरीर के स्वाभाविक विस्तार की तरह महसूस हों। फैशन में एकजुटता डायरेक्टर मनन जैन ने स्पष्ट किया, हमारा अभियान सभी महिलाओं को एक ट्रिब्यूट है। हर महिला ऐसे इनरवियर की हकदार है जो उसके अनुसार ढल जाए। यह सहानुभूति और वैश्विक बदलाव का आंदोलन है।

शर्लिन चोपड़ा बर्थडे : 15 साल की उम्र में जीता मिस आंध्र का खिताब, 'प्लेबॉय' में फोटोशूट से मिली शोहरत

हिंदी सिनेमा में जहां सशक्त मुख्य भूमिकाओं के लिए अभिनेत्रियों की अहमियत बनी रही है, वहीं कुछ बोल्ड अभिनेत्रियों और मॉडलों ने भी अपनी अलग पहचान बनाई है। इन कलाकारों ने पारंपरिक अभिनय से इतर अपनी बेबाक छवि और बोल्ड प्रजेंटेशन के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई। इसी कड़ी में नाम आता है शर्लिन चोपड़ा का, जो 11 फरवरी को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। आज भी वह ओटीटी मंचों पर सक्रिय हैं और अपने बोल्ड दृश्यों के कारण चर्चा में रहती हैं। मीडिया में भी उनकी मौजूदगी लगातार बनी रहती है, जिससे वह सुर्खियों में रहती हैं। कम ही लोग जानते हैं कि शर्लिन चोपड़ा को असली पहचान फिल्मों के जरिए नहीं, बल्कि मैग्जीन जगत से मिली। एक प्रतिष्ठित मैग्जीन में उनकी बोल्ड फोटोज ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी चर्चा का विषय बनीं। यही पहचान आगे चलकर उनके करियर की दिशा तय करने में भी अहम साबित हुई।

हैदराबाद में जन्मी शर्लिन को मॉडल बनने का शौक बचपन से था और यही वजह रही कि मात्र 15 साल की उम्र में अभिनेत्री ने मिस आंध्र का खिताब जीता था। मॉडलिंग के बाद अभिनेत्री फिल्मों में काम करने के लिए कई ऑडिशन दिए और साल 2002 में उन्हें तमिल फिल्म वेंडी मब्बू में काम किया था, जो एरोटिक फिल्म थी। उसी साल, उन्होंने एक तमिल फिल्म यूनिवर्सिटी और एक अंग्रेजी फिल्म बीपर में भी अभिनय किया। तीनों फिल्में पर्दे पर रिलीज हुई लेकिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में अपना बजट भी नहीं निकाल पाई। बॉलीवुड में शर्लिन ने एंट्री 2005 में आई फिल्म टाइम पास से की थी। जिसके बाद दोस्ती- फ्रेंड्स फॉरएवर, जवानी दीवानी- ए यूथफुल जॉयराइड, नॉटी बॉय,गेम,रकीब, रेड स्वस्तिक,और दिल बोले हड़िप्पा! जैसी फिल्मों में काम किया। शर्लिन की फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता नहीं चला, लेकिन साल 2012 में ग्लोबल लेवल पर शर्लिन के नाम की सुनामी आ गई।

अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा उस समय सुर्खियों में आईं, जब वह प्लेबॉय मैग्जीन के लिए बिना कपड़ों के फोटो शूट कराने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हालांकि, इस मामले में विवाद तब खड़ा हुआ, जब प्लेबॉय मैग्जीन ने यह कहकर इनकार किया कि उनकी शर्लिन के साथ किसी तरह की प्रत्यक्ष मुलाकात हुई थी। इसके बावजूद बाद में अभिनेत्री का डिजिटल फोटो शूट जारी किया गया।

डिजिटल फोटो शूट के सामने आते ही व्यापक चर्चा शुरू हो गई और रातो-रात शर्लिन देशभर के अखबारों और टीवी चैनलों की सुर्खियां बन गईं। इस घटनाक्रम ने मनोरंजन जगत में खासा हलचल पैदा की।

मैग्जीन के अलावा शर्लिन चोपड़ा ने रियलिटी शो बिग बॉस-3 में भी हिस्सा लिया था। शो के दौरान उनके पहनावे और बयानों को लेकर भी खूब चर्चा हुई। उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि वह अभिनेता अमिताभ बचन की बड़ी प्रशंसक हैं और भविष्य में ऐसे ही लंबे कद और मजबूत कद-काठी वाले जीवनसाथी से विवाह करना चाहेंगी।

शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक बयानों और बोल्ड अंदाज के कारण आज भी अक्सर खबरों में बनी रहती हैं और मनोरंजन जगत में चर्चा का विषय रहती हैं।

विवेक ओबेरॉय के पर्सनैलिटी राइट्स पर सना रईस खान की निर्णायक जीत

डिजिटल युग में जहाँ पहचान अक्सर क्लिकबेट और दुरुपयोग का शिकार हो जाती है, वहीं अभिनेता और उद्यमी विवेक आनंद ओबेरॉय के पक्ष में आया दिल्ली हाईकोर्ट का ताज़ा फैसला एक मिसाल बनकर उभरा है। इस ऐतिहासिक कानूनी जीत के पीछे वरिष्ठ अधिवक्ता सना रईस खान की सशक्त और संवेदनशील पैरवी रही, जिसने पर्सनैलिटी राइट्स की पवित्रता को नए सिरे से परिभाषित किया। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए विवेक ओबेरॉय ने कहा, यह सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की जीत है जिसकी पहचान को डिजिटल शोर में गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाता है। कानून का यह संरक्षण बेहद आश्वस्त करने वाला है। वहीं सना रईस खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा, किसी भी व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक संपत्ति नहीं है। यह फैसला निजता, गरिमा और मानवीय मूल्यों की न्यायिक पुष्टि है। यह निर्णय न केवल एक व्यक्ति की रक्षा करता है, बल्कि डिजिटल दुनिया में नैतिक सीमाओं की मजबूत लकीर भी खींचता है।

सेहत/फैशन

45 साल की श्वेता तिवारी ने रफल स्कर्ट में दिखाया स्टाइल, लोग पूछ रहे जवान होने का राज

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का नाम उन अभिनेत्रियों में लिया जाता है, जो बढ़ती उम्र में भी स्टाइल और फैशन गोल्स सेट करती हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरों में उन्होंने स्कर्ट-टॉप लुक अपनाया, जिसे देखकर फैंस और नेटिज़न्स भी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। लोग उनकी उम्र देखकर चकित हैं और पूछ रहे हैं कि उनकी जवानी और स्टाइल का राज क्या है।

श्वेता तिवारी हमेशा फैशन में एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं और हर लुक में स्टाइलिश दिखती हैं। इस बार उन्होंने ऑलिव ग्रीन कलर की रफल स्कर्ट और फिटेड टॉप में अपनी तस्वीरें शेयर की। इस लुक में हल्का लाइट-डार्क कलर कॉम्बिनेशन उनके रूप को परफेक्टली कम्प्लीमेंट कर रहा था। उनका ये आउटफिट क्लासी के साथ-साथ कूल वाइब दे रहा था। कम एलिमेंट्स होने के बावजूद श्वेता का लुक स्टनिंग और ग्रेसफुल नजर आ रहा था। श्वेता ने बेसिक हाफ-स्लीव्स फिटेड टॉप पहना, जिसे उन्होंने राउंड नेकलाइन और बॉडी फिटेड स्ट्रेच निटेड फैब्रिक के साथ पेयर किया। टॉप को स्कर्ट में टक करके पहनने से उनका लुक और भी स्लिम और क्लीन दिखा उनकी मिड-काफ लेंथ रफल स्कर्ट मल्टी-लेयर और फ्लोइ फैब्रिक में थी, जो मूवमेंट के साथ वॉल्यूम भी क्रिएट करती है। स्कर्ट की रफल डिटेलिंग और फिटेड टॉप का कॉम्बिनेशन उनके लुक को ड्रामेटिक और स्टाइलिश बना रहा था।

मिनिमल जूलरी और एक्सेसरीज

श्वेता ने अपने लुक को हाइलाइट करने के लिए मिनिमल जूलरी चुनी। गोल्डन हूप्स स्टाइल के छोटे इयररिंग्स और हाथ में डिजिटल वॉच उनके स्टाइल में परफेक्टली ब्लेंड हो रहे थे। डीप रेड पंप हील्स ने उनके ऑलिव ग्रीन लुक को ब्रेक किया और स्टाइल में क्लासी और रिच वाइब जोड़ दी।

फैंस की तारीफें और कमेंट्स

श्वेता की तस्वीरें सामने आने के बाद फैंस की तारीफों का सिलसिला शुरू हो गया। लोग उनकी उम्र देखकर चकित हैं। कुछ ने लिखा, किस कॉलेज में पढ़ती हो? ओए होए, स्वीट 16 आज भी लग रही हो। मां बेटी से ज्यादा अच्छी दिखती हैं।कुछ ने तो सीधे पूछ ही लिया, जवानी का राज क्या है?

श्वेता के लुक से कैसे बनाएं स्टाइल

अगर आप भी श्वेता तिवारी की तरह एलिगेंट और स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो इन टिप्स को फॉलो करें बेसिक फिटेड टॉप के साथ रफल स्कर्ट पेयर करें, जो स्टनिंग दिखे। कलर कॉम्बिनेशन में डार्क शेड चुनें, जो स्किन टोन के लिए कम्प्लीमेंटरी हो। हील्स की जगह न्यूड सैंडल पहनें, जिससे लुक डे आउटिंग के लिए परफेक्ट लगे।

अगर लंबे समय तक एसिडिटी रहे तो हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

आजकल एसिडिटी की समस्या बहुत आम हो गई है। गलत खानपान, ज्यादा तनाव और बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल की वजह से लोग बार-बार सीने में जलन, खट्टी डकार और पेट में जलन जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं। कई लोग घरेलू नुस्खों या ओवर-द-काउंटर दवाओं से काम चला लेते हैं, लेकिन सही इलाज कराने से बचते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर बीमारियों की वजह बन सकती है।

कभी-कभी एसिडिटी सामान्य, लेकिन रोज़-रोज़ होना खतरे की घंटी: अगर कभी-कभार एसिडिटी हो जाए तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन जब यह समस्या हफ्तों या महीनों तक लगातार बनी रहती है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपके पाचन तंत्र में कुछ गड़बड़ है। लंबे समय तक एसिडिटी रहना पेट और खाने की नली को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है।

एसिडिटी क्यों बढ़ रही है?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अनहेल्दी फूड, तली-भुनी और मसालेदार चीजें ज्यादा खाने लगे हैं। इसके साथ ही तनाव, समय पर खाना न खाना, नींद की कमी और फिजिकल एक्टिविटी की कमी भी एसिडिटी को बढ़ा देती है। जब खानपान बिगड़ता है, तो इसका सीधा असर पेट की सेहत पर पड़ता है। लंबे समय तक एसिडिटी रहने से सबसे पहले गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज यानी त्श्वत्र्ष्ठ होने का खतरा बढ़ जाता है। इस बीमारी में पेट का एसिड बार-बार खाने की नली में ऊपर की ओर आने लगता है। इससे सीने में तेज जलन, खट्टी डकारें और गले में जलन महसूस होती है। अगर समय पर इलाज न हो, तो त्श्वत्र्ष्ठ खाने की नली को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

इसोफैजाइटिस की समस्या हो सकती है

एसिडिटी की वजह से इसोफैजाइटिस नाम की बीमारी भी हो सकती है। इसमें खाने की नली की अंदरूनी परत में सूजन आ जाती है। इस स्थिति में खाना निगलने में दर्द होता है, सीने में जलन बढ़ जाती है और गंभीर मामलों में खून की उल्टी तक हो सकती है।

पेट में अल्सर बनने का खतरा

लगातार एसिड के संपर्क में रहने से पेट की अंदरूनी परत कमजोर हो जाती है। इससे पेट में अल्सर बनने का खतरा बढ़ जाता है। अल्सर होने पर पेट दर्द, उल्टी, मतली और कभी-कभी ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है। अगर अल्सर गंभीर हो जाए, तो यह जानलेवा भी साबित हो सकता है, इसलिए इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

बैरेट्स इसोफैगस और कैंसर का रिस्क : कुछ मामलों में लंबे समय तक एसिडिटी रहने से बैरेट्स इसोफैगस नाम की गंभीर स्थिति विकसित हो सकती है। इसमें खाने की नली की कोशिकाओं की बनावट बदलने लगती है। आगे चलकर इससे इसोफैगस कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि यह समस्या हर मरीज में नहीं होती, लेकिन लंबे समय से एसिडिटी झेल रहे लोगों में इसका जोखिम ज्यादा माना जाता है।

एसिडिटी से बचने के लिए क्या करें?:

एसिडिटी को कंट्रोल में रखने के लिए समय पर डॉक्टर से सलाह लेना बहुत जरूरी है। संतुलित और हल्का भोजन करें, ज्यादा मसालेदार, तैलीय और जंक फूड से दूरी बनाएं। समय पर खाना खाएं और तनाव कम करने की कोशिश करें। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से दवाइयों का सही इस्तेमाल करें।

डॉक्टर से तुरंत कब संपर्क करें?

सीने में लगातार जलन बनी रहे, खाना निगलने में परेशानी हो, वजन तेजी से कम हो रहा हो या उल्टी में खून दिखाई दे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर इलाज कराने से एसिडिटी से जुड़ी गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। लंबे समय तक रहने वाली एसिडिटी को नजरअंदाज करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com